वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 106 | रविवार 13 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एसएमएस स्टेडियम में हुआ स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का पूर्वाभ्यास

इस अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में प्रस्तुत किये जाने वाले परेड, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुलिस व लोक कलाकारों के देश भक्ति के कार्यक्रम, बैंड वादन, राजस्थानी नृत्य आदि का पूर्वाभ्यास किया गया...

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2023 को एसएमएस स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास शनिवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में प्रस्तुत किये जाने वाले परेड, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुलिस व लोक कलाकारों के देश भक्ति के कार्यक्रम, बैंड वादन, राजस्थानी नृत्य आदि का पूर्वाभ्यास किया गया। समारोह में प्रस्तुत किये देशभक्ति से ओत पोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की गयी। पुलिस जवानों ने अद्भुत साहस के साथ रोमांचकारी प्रदर्शन किया। इस दौरान गृह विभाग के सचिव आनंद कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव दिनेश कुमार एवं विशिष्ठ सचिव शैली किशनानी, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष बिनाका जेश मालू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यंग आर्टिस्ट्स एग्जिबिशन नेक्स जी का समापन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दृश्य कला विभाग- सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कला दीर्घा में राजस्थान ललित कला अकादमी के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र किरण सोनी गुप्ता, मुख्य निर्वाचन अधिकारी मधुकर गुप्ता और वरिष्ठ कलाकार प्रोफेसर एल. एल. वर्मा उपस्थित थे। प्रदर्शनी क्यूरेटर डॉ. शाहिद परवेज ने बताया कि इस पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी में उदयपुर संभाग के नवोदित और प्रतिभाशाली कलाकारों की 60 से अधिक कृतियां प्रदर्शित हुई। जिसमें पेंटिंग, प्रिंट मेकिंग, डिजिटल आर्ट, मूर्तिकला, संस्थापन कला एवं वीडियो आर्ट जैसी रचनात्मक अभिव्यक्ति शामिल थीं। इस अवसर पर किरण सोनी गुप्ता ने युवा कलाकारों को शुभकामनाएं देते कहा कि कलाकार को कला क्षेत्र में सतत सृजनशील रहना चाहिए। बाद में विभागाध्यक्ष डॉ.धर्मवीर वशिष्ठ और प्रो. मदनसिंह राठौड़ ने युवा सृजनकारों के इस प्रयास पर संतोष जताते इस बात का भरोसा दिलाया कि विभाग आगे भी इस तरह की प्रदर्शनियां और कला शिविरों का आयोजन करता रहेगा। समापन अवसर पर प्रो. हेमंत द्विवेदी, प्रो. मदनसिंह राठौड़ , डॉ. दीपिका माली, मीनाक्षी असावरा, हेमंत जोशी, मकबूल हुसैन, चेतन औदीच्य, छोटूलाल, सुरेंद्रसिंह, सुनील निमावत, चित्रसेन सहित अन्य कलाकार उपस्थित थे। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

लायन रोशन सेठी एडवोकेट इंटरनेशनल सर्टिफिकेट से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब इंटरनेशनल के पूर्व प्रांतपाल और वर्तमान में बहुप्रतीय चेयरमैन लायन रोशन सेठी एडवोकेट को पूरे देश में सीएसआर एक्टिविटी के लिए सर्वाधिक काम करने हेतु CSR Emissary पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार इंटरनेशनल प्रेसिडेंट ब्रेन सेवन और वेस्टर्न हेड प्रवीण छाजेड ने दिया ।

नेट थिएट पर नाटक इंतजार का सशक्त मंचन

उम्र के अंतिम पड़ाव में बदले का सुखद इंतजार शेष

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज रंग दर्पण संस्था की ओर से सुप्रसिद्ध साहित्यकार शंकर शेष की कहानी पर आधारित नाटक इंतजार का सशक्त मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि निर्देशन मनोज स्वामी ने किया। **कथासार:** लेखक शंकर शेष की सर्वश्रेष्ठ कहानी में से एक है प्रतीक्षा? एक ऐसे पिता की कहानी है, जो अपने बेटे के हत्यारों को पहचानने की कोशिश करता है । हत्यारा उसका ही मकान खरीदने के लिए आता है, तो उसकी आवाज और पांव की चाल से उसे पहचान लेता है। जिसका कई वर्षों से प्रतीक्षा कर रहा था और अंत में उसकी हत्या कर अपना बदला पूरा करता है और खुद भी अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेता है। नाटक के मुख्य किरदार में मनोज स्वामी ने अपने अभिनय से पिता की भूमिका को बखूबी निभाया और अपने हाव-भाव और अभिनय से प्रभावित किया । नाटक में सागर गढ़वाल, जीवितेश शर्मा और मनीष योगी ने अपने पात्र के साथ न्याय किया और नाटक को सफल बनाया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू, मंच व्यवस्था मिहिजा शर्मा और कवितेश की रही।

विशाल भक्ति संध्या 14 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री श्वेताम्बर जैन श्रीमाल सभा मोती डूंगरी रोड के तत्वावधान में और फोफलिया परिवार के संयोजन में पर्यूषण पर्व के उपलक्ष्य में मोती डूंगरी रोड, दादा बाड़ी में 14 अगस्त सोमवार को विशाल भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष मनोज घांघिया ने बताया कि रात्रि 8 बजे से आयोजित होने वाली पोथा कल्पसूत्र जी की भक्ति संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक राजीव विजयवर्गीय सहित स्थानीय कलाकार अनिल कोठारी और नवरत्न बच्छावत सुमधुर भजन प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में श्री जिनदत्त सूरी युवा मंडल और श्री कुशल विचक्षण महिला मंडल का भी उल्लेखनीय सहयोग रहेगा। करमचंद, मिलापचन्द, कृष्णकुमार और विमलचंद फोफलिया आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

संसार खारे पानी के सागर समान जिससे कभी नहीं बुझ सकती प्यासः डॉ. पंडित रामस्वरूप जी शास्त्री

तृष्णाएं ही जीवन में दुःख व तनाव का कारण, ज्ञान और वैराग्य ही मोक्ष का मार्ग। रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग के तहत पुरूषोत्तम मास की कथा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कोई व्यक्ति यह सोचता है कि संसार का सुख भोग कर तृप्ति हो जाएगी तो यह धोखा मात्र है। संसार सागर खारे पानी के उस सागर के समान है जिसका पानी पीकर कोई प्यास बुझाना चाहे तो कभी नहीं बुझ पाएगी बल्कि प्यास अधिक भड़क उठेगी। खारे पानी से कभी प्यासे कंठ की तृप्ति नहीं हो सकती। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने शनिवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत पुरूषोत्तम मास (अधिक मास) से जुड़ी चर्चा में व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति सांसारिक सुख में डूब ये सोचता है वह संसार को भोग रहा है तो गलत है हकीकत में संसार के भोग स्वयं व्यक्ति को भोग रहे है। भोग का परिणाम अंत में रोग होगा। सांसारिक सुखों की मृगतृष्णा का दौर कभी पूरा नहीं होगा। शास्त्रीजी ने कहा कि संसार का अर्थ ही गतिमान है यानि जो स्थिर नहीं रह पाता वह संसार में उलझा रहता है। व्यक्ति बुर्जुग हो जाता लेकिन उसकी लालसाएं और तृष्णा सदैव जवान रहेती है। ये तृष्णाएं ही जीवन में दुःख व तनाव का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि कई बार व्यक्ति ये सोचता है कि समय जा रहा है जबकि समय नहीं जाकर वह स्वयं जा रहा है। संसार का मोह बंधन काटने के लिए ज्ञान और वैराग्य दो ही हथियार है। इससे मिथ्या संसार से छुटकारा पाकर व्यक्ति मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। ऐसे में सदैव ज्ञान और वैराग्य को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए रखना चाहिए। यदि हम इनसे दूर हो गए तो फिर मोक्ष प्राप्त नहीं कर जन्म-जन्मान्तर तक संसार सागर में भटकते रहने को विवश होंगे। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु सत्संग-प्रवचन श्रवण के लिए पहुंच रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय, ब्यावर

तालेड़ा कैफेटेरिया का भूमि-पूजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में स्व.सेठ लक्ष्मी चंद जी - श्रीमती उगमकंवर जी तालेड़ा जयपुर एवं स्व.सेठ मिट्ठालाल जी - श्रीमती पुष्पा बाई तालेड़ा चैन्नई की प्रेरणा से बहुप्रतीक्षित ''तालेड़ा कैफेटेरिया'' का महाविद्यालय छात्राओं के उपयोगार्थ वातानुकूलित, हाईजैनिक मॉड्यूलर किचन, सेफ्टी कुकिंग प्लांट सहित दो मंजिला कैफेटेरिया का भूमि पूजन नवकार मंत्रोचार के साथ किया गया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा इस अवसर पर भामाशाह परिवार व अतिथियों का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जयपुर निवासी भामाशाह माणक चन्द जी तालेड़ा का स्वागत व अभिनंदन वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमान् एम. गौतम चंद बोहरा, मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख एवं प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर किया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष (प्रथम) श्रीमान् गौतम चन्द गौखरु, उपाध्यक्ष (द्वितीय) श्रीमान् प्रकाश चन्द गदिया,एवं प्रबन्धकारिणी के सदस्य श्रीमान्देवराज लोढ़ा व धनपत राज श्रीश्रीमाल द्वारा भामाशाह श्री तालेड़ा को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। श्रीमती उगमकंवर जी तालेड़ा का अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने अपने उद्बोधन में भामाशाह परिवार के शिक्षण सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए शिक्षण संस्थान व शिक्षा के क्षेत्र में तालेड़ा परिवार द्वारा उदारतापूर्वक किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने भामाशाह परिवारों के सहयोग से निरन्तर विकास की ओर अग्रसर महाविद्यालय की भौतिक एवं शैक्षणिक प्रगति का उल्लेख किया।

वेद ज्ञान

खुद से अपेक्षा

अगर आप यह मानते हैं कि दूसरे आपकी अपेक्षा के अनुरूप चलेंगे तो सच मानिए कि यह समय की बबार्दी है। एक छोटी सी कहानी से यह बात स्पष्ट हो जाती है। एक बार कछुओं का परिवार पिकनिक पर गया। उन्होंने अपना भोजन पैक किया और उस जगह के लिए निकल पड़े जो उन्होंने चुनी थी। उन्होंने घर से दूर पहाड़ियों के पीछे वाली जगह का चुनाव किया था। जब सभी उस जगह पहुंचे तो उन्होंने अपना सामान खोला। उन्होंने महसूस किया कि खाने का सब सामान तो वे ले आए मगर नमक लाना भूल गए हैं। खाने में नमक न हो तो वह बेस्वाद है। उन्होंने तुरंत आपस में बैठक की और तय किया कि कौन वापस जाकर नमक लाएगा। बहुत चर्चा के बाद एक युवा कछुए को यह जिम्मेदारी सौंपी गई क्योंकि वह दूसरों के मुकाबले तेज गति से जा सकता था। इस युवा कछुए ने आपत्ति ली कि जब तक वह वापस आएगा तब तक बाकी साथी सारा खाना खत्म कर चुके होंगे। लेकिन सभी ने उसे भरोसा दिलाया कि ऐसा नहीं होगा और वे उसके आने की प्रतीक्षा करेंगे। काफी समय बीत जाने पर भी जब युवा कछुआ वापस नहीं आया तो बाकी के साथियों ने तय किया कि अब तो जो खाना लाए हैं उसे खा लेने में ही सार है। जब उन्होंने खाने का बास्केट खोला तो पास की झाड़ी में से युवा कछुआ कूदकर बाहर आ गया और बोला, 'देखा, मैं जानता था कि आप लोग मेरे वापस आने तक इंतजार नहीं करेंगे। काफी देर तक मैं में छिपा रहा ताकि जान सकूं कि आप मेरे बिना खाना खाते हैं या नहीं। मेरा शक सही निकला और अब मैं नमक लेने हरगिज नहीं जाऊंगा।' हममें से कुछ लोग इस शंकालु कछुए की तरह ही होते हैं जो यह चाहते हैं कि दूसरे वैसा ही व्यवहार करें जैसा हम चाहते हैं। हम चाहते हैं कि लोग हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरें। हम अपनी तरफ से सही काम करने के बजाय लोगों से उम्मीद करते हैं कि वे हमारे अनुसार काम करें और ऐसा कभी नहीं होता है और हमारे दुख की वजह बनता है। दफ्तर में कई लोग एकदूसरे पर अपना काम डालते रहते हैं और सोचते हैं कि इस काम को दूसरा ही करे तो कितना अच्छा और इस चक्कर में काफी समय तक असमंजस की स्थिति में रहते हैं। काम करना मुश्किल नहीं है बल्कि दूसरों पर निर्भरता रखना ज्यादा ऊबाऊ और बोझिल है। जब आप दूसरों से अपेक्षा रखते हैं तो ज्यादातर मौकों पर तो निराशा ही हाथ लगती है। लोग बहुत छोटे-छोटे कामों को इसलिए नहीं करते क्योंकि यह दूसरों की जिम्मेदारी है।

संपादकीय

अब तक का सबसे गर्म महीना रहा जुलाई

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होते रहते हैं और उनमें वैश्विक स्तर पर तापमान में बढ़ोतरी के कारणों और उसके समाधान पर विचार किया जाता है। लेकिन जमीनी स्तर पर इस सबका हासिल क्या रहा है, यह छिपा नहीं है। हालत यह है कि तापमान में बढ़ोतरी की समस्या अब ऐसी शक्ल अख्तियार करती जा रही है, जिसमें ऐसा लगता है मानो बहुत कुछ हाथ से छूट रहा हो। मसलन, इस साल जुलाई महीने को अब तक के सबसे गर्म महीने के तौर पर दर्ज किया गया है। यूरोपीय जलवायु निगरानी संगठन ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से इस बात की पुष्टि की है कि इस वर्ष के जुलाई माह ने गर्मी के पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इसके अलावा, यूरोपीय संघ के अंतरिक्ष कार्यक्रम की इकाई ''कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस'' ने मंगलवार को बताया कि जुलाई में दुनिया का औसत तापमान 16.95 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह 2019 में दर्ज सबसे ज्यादा औसत तापमान से करीब एक तिहाई सेल्सियस अधिक है। तापमान में यह अंतर इसलिए भी दुनिया की चिंता बढ़ा रही है कि वैज्ञानिक इसे असामान्य बता रहे हैं। आमतौर पर वैश्विक तापमान का रिकार्ड एक डिग्री के सौवें या दसवें अंतर से टूटता है। इस बार तापमान का जो अप्रत्याशित रुख दिखाई दे रहा है, वह आम लोगों और पृथ्वी, दोनों के लिए घातक परिणाम देने वाला साबितअ हो सकता है। पिछले कुछ समय से मौसम के अति कठोर होते जाने की वजहें तापमान के इसी उतार-चढ़ाव में छिपी हैं। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम और मेक्सिको में जानलेवा गर्म हवाएं चल रही हैं तो यह बेवजह नहीं हैं। अब अगर दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी बढ़ते तापमान की वजह से बिगड़ते हालात की खबरें आ रही हैं, तो यह एक तरह से गहराती समस्या की ही कड़ियां हैं। विडंबना यह है कि आए दिन होने वाली बैठकों में वैज्ञानिक और पर्यावरणविद जलवायु में आती विकृति के लिए कोयला, तेल और प्राकृतिक जीवाश्म ईंधन के उपयोग से जलवायु की निरंतरता में होने वाले बदलाव को जिम्मेदार ठहराते हैं। तात्कालिक स्तर पर इस मसले के हल के लिए कुछ बिंदुओं पर सहमति भी बनती है। लेकिन फिर कुछ समय बाद सब कुछ पहले की तरह चलने लगता है। सवाल है कि अगर कार्बन उत्सर्जन को बढ़ते तापमान का एक अहम कारक माना जा रहा है और वैश्विक सम्मेलनों में इस पर अंकुश लगाने के लिए रूपरेखा बनाई जाती है तो वह अब तक जमीन पर क्यों नहीं उतर सकी है। या फिर क्या इस मसले पर तय मानकों को ज्यादा व्यावहारिक बनाए जाने की जरूरत है, ताकि विकासशील देशों को भी इस पर गौर करना जरूरी लगने लगे? बढ़ते तापमान की समस्या के समाधान के तौर पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने पर जोर दिया जाता है। लेकिन जो विकसित और धनी देश सबसे ज्यादा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं, वे अपने ऊपर से यह जिम्मेदारी टालते रहते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अंधविश्वास

जब अंधविश्वास और इससे उपजी त्रासदियों पर बात होती है तब आमतौर पर यही माना जाता है कि इसकी जकड़न में दूरदराज या गांव-देहात के लोग ही होते हैं। इस मामले में शहरों को इसलिए रियायत दी जाती है कि पढ़ाई-लिखाई, जागरूकता या विज्ञान और तकनीक के विकास की वजह से ऐसे इलाकों में लोगों के सोचने-समझने का नजरिया बदलता है। वे आधुनिक और वैज्ञानिक दृष्टि से चीजों को देखना शुरू करते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शहरों-महानगरों में भी आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जो लोगों की जीवन-पद्धतियों, मूल्यों पर सवाल उठाते हैं। बल्कि कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि दिन-रात तकनीक की दुनिया में जीने वाले लोग चेतना के स्तर पर इस हद तक कैसे पिछड़े रह जाते हैं कि महज किसी अंधविश्वास या बेमानी धारणा के आधार पर वे किसी की हत्या तक कर डालते हैं। उनके भीतर विवेक इस स्तर तक अनुपस्थित हो जाता है कि सिर्फ मन में उपजे किसी शक के बाद जघन्य वारदात को अंजाम देने से पहले वे इसके नतीजों के बारे में सोच तक नहीं पाते। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में भी इस तरह के अंधविश्वासों और उसके नतीजे में होने वाली त्रासद घटनाएं होती रहती हैं। दिल्ली के जाफरपुर कलां में सोमवार को एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी की चाकू से गोद कर सिर्फ इसलिए हत्या कर दी कि उसके दिमाग में अपने ऊपर ''काला जादू'' कर दिए जाने का शक घर कर गया था। उसने बीच-बचाव करने वाले एक अन्य व्यक्ति पर भी जानलेवा हमला किया। जाहिर है, अब कानून अपना काम करेगा। लेकिन विडंबना यह है कि प्रगति के तमाम दावों और सख्त कानूनों के बावजूद लोगों के दिमाग से अंधविश्वास के जाले साफ नहीं हो सके हैं और इस दुश्चक्र में पड़ कर वे न केवल अपने सामान्य जीवन को बुरी तरह बाधित कर लेते हैं, बल्कि इसके असर में कई बार उनके दिमाग पर नियंत्रण नहीं रह जाता और वे हत्या जैसा जघन्य अपराध भी कर डालते हैं। दिल्ली में अंधविश्वास की वजह से इस तरह के वाकये अक्सर सामने आते रहते हैं, जिसमें काला जादू या अन्य तंत्र-मंत्र और कर्मकांड जैसे अंधविश्वास में पड़ कर लोग किसी की हत्या या उसके खिलाफ हिंसा कर बैठते हैं। हालांकि गांव-देहात या दूरदराज के इलाकों में ऐसी घटनाएं आम हैं और इसका कारण वहां शैक्षिक पिछड़ापन और जागरूकता के अभाव को माना जाता रहा है। लेकिन शहरों में अगर अच्छी शिक्षा-दीक्षा और ज्ञान के संपर्क के सभी संसाधनों के बीच भी अंधविश्वास की जड़ें गहरी पाई जाती हैं तो यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है। आखिर वे कौन-सी वजहें हैं कि आधुनिक मूल्यों के बीच विकसित हुए हमारे शहर भी अब तक अंधविश्वास के जाल से मुक्त नहीं हो सके हैं। खासतौर पर जिस दौर में देश विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया भर में नई ऊंचाइयां छू रहा है, उसमें महज जादू-टोना जैसी झूठी धारणाओं की वजह से जघन्य अपराध दरअसल चेतनागत विकास की दशा और दिशा को आईना दिखाते हैं। देश के संविधान का अनुच्छेद 51 ए (एच) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, चेतना के विकास और जरूरत को नागरिकों के बुनियादी कर्तव्य के रूप में रेखांकित करता है। लेकिन इसे लेकर न समाज में कोई व्यापक उत्साह दिखाई देता है, न सरकारें इस दायित्व के प्रति अपेक्षित सक्रियता दर्शा पाती हैं। नतीजतन, विज्ञान की तमाम उपलब्धियों के बीच जमीनी स्तर पर अंधविश्वास का रोग पलता रहता है और अक्सर इसकी विकृति सामने आती रहती है।

प्रवचन की बारिश के फुहार से श्रद्धालु भक्त हो रहे हैं लाभान्वित

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया

जैन संत पुज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल चातुर्मास चल रहा है इसी कड़ी में जैन बड़ा मंदिर के प्रांगण में प्रातःकालीन प्रवचन मे श्रद्धालु भक्तों को अमृत मयप्रवचन का सोपान कराते हुए परमपूज्य अध्यात्म योगी संत मुनि सुयश सागर जी ने बताया कि मनुष्य को पुण्य कमाने का बहुत ही सुनहरा अवसर आया हुवा है आदमी इस 4 माह में पुण्य के सागर में भरपूर डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित कर सकता है मगर पुण्य करने के लिए सबसे पहले पुरुषार्थ करना होगा ।आम लोगों की संगति से आदमी की बुद्धि भी आम लोगों जैसी हो जाती है और विशिष्ट व्यक्तियों की संगति से उसकी बुद्धि विशिष्ट बन जाती है।संसारी प्राणी अपनी पांचो इंद्रियों के विषय भोगों के लिए धन कमाता है नीति से ,अनीति से ,न्याय से और अन्याय से यह संसारी प्राणी जितनी मेहनत इंद्रियों के विषय के लिए करता है उसकी अपेक्षा थोड़ी सी मेहनत यदि धर्म के लिए कर ले तो वह सच्चा श्रावक बनकर अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है। हम जैसा कर्म करेंगे वैसा ही फल मिलेगा। धन कमा कर तिजोरी में भले ही रख लेना - लेकिन मृत्युपरांत कुछ भी साथ जाने वाला नहीं है, केवल हमारे कर्म और पुण्य ही साथ जाएंगे। अकेली आत्मा मेरी यहां से जाएगी मेरा शरीर, मेरी संपत्ति, मेरे परिवारजन सब यहां छूट जाएंगे यदि कुछ साथ में जाएगा तो वह मेरा पुण्य और पाप। प्रकृति का बहुत अच्छा नियम है आप जितना पुरुषार्थ करोगे आप को सफलता और पुण्य उतना ही मिलेगा। यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा, नविन जैन ने प्रदान की।

आत्मा में रमण करने पर हर समय होगी सुख की अनुभूतिः चेतनाश्रीजी म.सा.

ज्यादा बोलने से बचे,इससे कम होता वचन का पुण्य। रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी के सानिध्य में चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्म के प्रति समर्पित होकर विधिपूर्वक जाप करने से सुख, साता, शांति व आनंद की प्राप्ति होती है। सुख इन्द्रियों के लिए, साता शरीर के लिए, शांति मन के लिए एवं आनंद आत्मा के लिए है। आत्मा में रमण करने वाला शरीर, मन, इन्द्रियां कुछ भी हो सभी में आनंद की अनुभूति करता है। कुछ भी कार्य करें हमेशा विवेकपूर्वक करना चाहिए। विवेक होने पर घर अनर्थ से बच जाता है अन्यथा घर अनर्थ की खान बन जाता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में आयोजित चातुर्मासिक धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने माला फेरते समय दिशा के महत्व के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि दिशा का ध्यान रख विधिपूर्वक जाप करने से श्रेष्ठ फल की प्राप्ति होती है। साध्वीश्री ने कहा कि कभी गुरू के आदेश की अवहेलना नहीं करें ओर उनसे तर्क-वितर्क भी नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा ज्यादा बोलने से बचना चाहिए इससे वचन का पुण्य कम होता है। एनर्जी नष्ट होने से पुण्य घटता है।

नारी मे इच्छा शक्ति जाग्रत हो जाए तो बुलंदियों को छू सकती है : साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

नारी मे इच्छा शक्ति हो तो बुलंदियों को छू सकती है। शनिवार दोपहर अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रितीसुधा ने तृतीय दिवसीय आध्यात्मिक धार्मिक ज्ञान शिविर मे महिलाओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि खाना पिना मौज मस्ती करना ही जीवन का उदेश्य नहीं है।आज दुनिया मे नारी पुरूषों के बराबर कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षैत्रे मे आगे बढ़ रही है। फिर भी उसके जीवन मे सुख और शांति नहीं है। भौतिक सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन इसके बावजूद मन की शांति नहीं है। धन-दौलत से संसाधन खरीदे जा सकते हैं, लेकिन शांति नहीं खरीदी जा सकती है। शांति बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है। केवल मुख से चुप रहने से शांति नहीं मिलती,बल्कि सच्चा सुख-शांति तो तभी मिल सकती है। मन मे प्रसन्न हो।अशांति का कारण ही व्यक्ति का मन है। जब तक मन शांत नहीं रहेगा ,तब तक जीवन मे सुख नहीं मिलने वाला है। नौकरी और पढ़ाई के साथ महिलाएं धर्म साधना मे संलग्न रहेगी तो मन शांत घर को मंदिर बनाया जा सकता हैं। रजनी सिंघवी ने बताया कि इसदौरान चंदन बाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल, सुमित्रा सिंघवी,सुनीता झामड़,मंजू बाफना,उमा आंचलिया,सरोज महता, बलवीर देवी,लाड़ मेहता, दिलखुश डागलिया, अंनू बापना,लता कोठारी, मीना कोठारी,आशा संचेती, अंजना सिसोदिया, रूपल जैन, सुशीला संचेती, सुशीला छाछेड़ आदि पदाधिकारियों और शहर के कही उपनगरों की जैन समाज की महिलाओं ने धार्मिक शिविर मे भाग लिया और धार्मिक ज्ञान प्राप्त किया। निलिष्का चपलोत ने बताया कि रविवार को आध्यात्मिक धार्मिक ज्ञान शिविर का समापन समारोहों अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रितीसुधा के सान्निध्य मे रखा जाए । समाज सेवा मे योगदान देने वाली जैन समाज कि महिलाओं को समापन समारोह सम्मानित किया जाएगा।

प्रवक्ता निलिष्का जैन, भीलवाड़ा

पदमावती पार्क स्थित मंदिर श्री राधागोविन्द में भागवत कथा

भक्ति करे भक्त प्रहलाद जैसी : कथाचार्य प्रकाशदास

जयपुर। अधिक मास के अवसर पर श्री शिव सेवा समिति के बैनर तले पदमावती कॉलोनी,प्रथम के पदमावती पार्क स्थित मंदिर श्री राधागोविन्द में शनिवार को व्यासपीठ से भागवत कथाचार्य प्रकाशदास जी महाराज ने कहा कि जिसके ऊपर प्रभु का हाथ हो,उसका कोई भी बालबांका नहीं कर सकता। हम सभी को अपने जीवन में भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करनी चाहिए,जीवन में कितना भी संकट या विपत्ति ही क्यों ना आएं,कभी भी धर्म का मार्ग और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। जीवन में सदैव निष्काम भाव से भक्ति करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में जब भी बोलो,सदैव सोच समझकर बोलो और प्रेम से बोलो,हित-मित और प्रिय वचन बोलो,ऐसे वचन नहीं बोलो,जिससे किसी का अहित हो। भक्त प्रहलाद चरित्र पर बोलते हुए महाराजश्री ने कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद जिसे उसके पिता हिरण्यकषिपु अति भयंकर कष्ट दिए,यहां तक कि प्रहलाद को हिरण्यकषिपु ने विष पिलाया,हाथी से कुचलवाया, अग्नि में जलाया,इस तरह की कई यातनाएं दी,परंतु श्री प्रहलाद जी को हर जगह अपने प्रभु के दर्शन करते और उन्हें कहीं भी पीड़ा का अहसास नहीं होता। उन्हे विश्वास था कि हमारे प्रभु सर्वत्र विराजमान रहते है,इसीलिए प्रभु भक्त के पूर्ण विश्वास को देखकर खंभ से प्रकट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा को पूर्ण करने के लिए वे कहीं भी और किसी भी रूप में प्रकट हो जाते हैं। प्रधान यजमान बीबी शर्मा ने बताया कि कथा महोत्सव के तहत कथा 16 अगस्त तक रोजाना दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक होगी समापन पर 17 अगस्त को सुबह हवन साम को भंडारा प्रसादी होगी।

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय

महावीर मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर

विद्यालय के उदीयमान विद्यार्थियों के सम्मानार्थ

सोमवार, दिनांक 14 अगस्त, 2023

प्रातः 11:00 बजे

विद्यालय प्रांगण में आयोजित

छात्र–प्रतिभा सम्मान समारोह

में आप सादर आमन्त्रित हैं।

माननीय डॉ. निर्मल जैन

भारत गौरव (London UK)

सदस्य, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड

परिवहन मन्त्रालय, भारत सरकार

मुख्य अतिथि होंगें।

उमराव मल संघी
अध्यक्ष

सुनील बख्शी
मानद् मन्त्री

रेनू गोस्वामी
आचार्या

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 22 गोदाम जयपुर में विद्यार्थियों में सुरक्षित सड़क उपयोगकर्ता व्यवहार की समझ विकसित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिस का संचालन श्रीमती रितु अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रोटेरियन सचिव अनिल जैन व महेश मंगल ने विद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांत एवं नियमों के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया कार्यक्रम में स्कूल के स्टाफ के अतिरिक्त रोटरी क्लब से सुनीता जैन, राजेंद्र गुप्ता, रमेश जैन, गजेंद्र सिंह राठौड़, अनिल मंडोत, नीरज गोयल सहित अन्य रोटेरियन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती संतोष यादव ने रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं भविष्य में भी कार्यक्रमों में भागीदारी हेतु क्लब के सदस्यों को आमंत्रित किया।

दूसरों मे दोष निकालना आसन है लेकिन इंसान को स्वंय के दोष नजर नहीं आते: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। दूसरों मे अवगुण और दोष निकालना आसन पर परन्तु इंसान स्वंय के दोषों नहीं देखता है। शनिवार को साहूकार श्री एस.एस. जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि दुनिया मे ऐसा कोई इंसान नहीं, जिसमें सिर्फ गुण ही गुण हो और कोई दोष न हो। संसार में ऐसा होई नहीं सकता है कि किसी के अंदर सिर्फ दोष ही हों कोई गुण न हो। व्यक्ति को चाहिए कि दूसरों के गुणों को देखे, उनमें दोष न ढूंढे। दोष ढूंढने ही हैं तो अपने अंतर्मन में झांकें। अपने अंदर के दोष दूर करके अच्छा इंसान बनने का व्यक्ति प्रयत्न करेगा तो जीवन में सफलता को प्राप्त कर सकता है। निंदक और अवगुणी व्यक्ति सब मे अवगुण देखता है । वो कभी किसी मे गुण नही देख सकता है और किसी का भी भला नही कर सकता है। क्योंकि जिसके स्वभाव और विचारों मे नकारात्मकता का जहर भरा हुआ रहता है। उसमे सबमे बुराईयां नजर आती है। जबकि सहज और सरल गुणी के व्यक्ति दूसरों मे कमीया नहीं निकालते है बल्कि अपनी गलतियों को सुधारते है । जिस दिन इंसान स्वंय आपको जान और पहचान लेगा वह दूसरों मे अवगुण निकालना बंद कर देगा । साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्याय का वांचन करते हुए कहा कि अज्ञानी पुरूष हर इंसान मे दोष निकालता है। और सभी को दुःख ओर मन को ठेस पहुचाता है ऐसे व्यक्ति का जीवन केवल दूसरों मे कमियां निकालने मे गुजार देते है ना खुद सुखी रहते है और ना ही दूबरो सुखी रहने देतें है।

'संगिनी मैन उदयपुर द्वारा रक्तदान कार्यक्रम'

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोश्यल ग्रुप मैन द्वारा फेडरेशन सेवा सप्ताह के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन सरल ब्लड बैंक में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि ग्रुप सदस्यों के परिजनों ने भी इस कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम में मेवाड़ मारवाड़ रीजन चेयरमैन अनिल नाहर, फेडरेशन सह सचिव मोहन बोहरा, पूर्व चेयरमैन आर सी मेहता,सचिव महेश पोरवाल, जैन सोश्यल ग्रुप मैन के अध्यक्ष शांतिलाल मेहता सचिव कमल कोठारी व संगिनी मैन की उपाध्यक्ष उर्मिला जैन,सचिव स्नेह लता पोरवाल व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की प्रायोजक व संयोजिका शशिकांता कंठालिया रही। सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट तथा उपरणा द्वारा सम्मानित किया गया।

कुंदन में सात दिवसीय राम कथा की शुरूआत

सीकर. शाबाश इंडिया। कुदन स्थित स्व शान्ती ब्रजमोहन महरिया सामुदायिक भवन में सात दिवसीय राम कथा की शुरूआत शनिवार को हुई। यह कथा महिलाओं के अथक प्रयास से हुई। महिला सत्संग मंडल की अध्यक्ष मुनी देवी ने बताया कि सुबह गांव में मंगल कलश यात्रा निकाली गई।यह यात्रा गांव में स्थित ठाकुरजी के मंदिर से रवाना होकर मुख्य रास्ते से होते हुए सामुदायिक भवन पहुंची जिसमें औरतें नाचती गाती हुई कलश यात्रा में शामिल हुए। कथा वाचक सुखदेव मोनी महाराज के मुखर बिंद से कथा का रसपान हुआ। मोनी जी महाराज ने भगवान श्री राम की जीवन की ज्ञान वर्धक बातें बताई कथा में सरपंच रामप्यारी जी महेश चादपोता भागीरथ मिल ओमप्रकाश महरिया श्याम लाल शर्मा भंवरलाल चादपोता सुनील महरिया चोथमल बनवारी भाटी कमल शर्मा सत्यनारायण शर्मा कालु सोनी रमेश शर्मा नेमीचंद सुडा रामुजी सोनी बाबुलाल सोनी गांव के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हमें दस्त क्यों लग जाते है?

हमें दस्त क्यों लग जाते है? और जब लगते है तो खाना तुरंत पचकर पानी की तरह क्यों बाहर निकल जाता है? इतनी जल्दी प्रोसेस कैसी होती है जबकि खाना पचने में 4 से 5 घंटे का समय लगता है? दस्त जब लगते हैं जब शरीर में और हमारी आंत में गर्मी बढ़ जाती है जिससे हमारी आंत अपना काम सही से नही कर पाती है और खाने का पाचन नही हो पाता है, उनकी वायु विकृति की वजह से कंट्रोल करने की क्षमता भी खत्म हो जाती है। वैसे पंद्रह दिनों में अगर दस्त लगते है सिर्फ दो से तीन बार के लिए तो सही है इससे आंतो की शुद्धि हो जाती है और बाद में हल्के खाने से शुरूआत करें लेकिन जब दस्त दो चार बार से ज्यादा होते है तो शरीर में पानी की कमी होती है क्योंकि उस समय आंत सिर्फ उत्सर्जन कर रही होती है, वैसे पूछा नहीं है फिर भी बता दूं की दस्त के लिए सबसे सही उपचार में बेल के मुरब्बा से बड़ी कोई औषधि नहीं है ये प्राकृतिक रूप से आंतो की गर्मी निकालकर उनको सही करती है और आंतो की वात को भी संतुलित करती है, हालांकि दवाओं से दस्त बंद हो तो जाते है लेकिन पेट की गर्मी खत्म नहीं हो पाती है जो बाद में आगे जाकर बड़ी बीमारी का कारण बनती है। पेट की क्रिया नियमित करने के लिए आयुर्वेद चिकित्सा में कुटज घन वटी, कुटजारिष्ट, बिलवादि चूर्ण प्रयुक्त करते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सखी गुलाबी नगरी वेट एन व्हाइल्ड फ्रेक्निक कार्यक्रम अलवर के सरिस्का फ़न सिटी अलवर में सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी का एक और धार्मिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम वेट एन व्हाइल्ड फ्रेक्निक डे आउटिंग का कार्यक्रम अलवर सरिस्का फन सिटी में आयोजित किया गया। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि सखी गुलाबी नगरी कि करीब 250 सदस्यों को 5 एसी बसों से जयपुर के अलग-अलग स्थानों से रवाना कर अचरोल जैन मंदिर में दर्शन व आरती की। उसके पश्चात सरिस्का फन सिटी रिसोर्ट अलवर में वाटर पार्क का आनंद लिया। सचिव स्वाति जैन ने बताया की कार्यक्रम को सफल बनाने में सखी गुलाबी नगरी की सभी कार्यकारिणी सदस्यों का बहुत सहयोग रहा। रिचा जैन, विनीता सौगानी, सरगम जैन, प्रियंका जैन, स्वाति गोदिका का भी कार्यक्रम के सहसंयोजक के रूप में बहुत सहयोग रहा। सभी ने दिनभर के इस गेट टूगेदर का भरपूर आनंद लिया।

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सावन उत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सावन उत्सव का आयोजन किया गया । अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि बस द्वारा 45 संगिनी सदस्यों के साथ श्री दिगंबर जैन मंदिर मेहनदवास एवं श्री दिगंबर जैन मंदिर आवा के दर्शन किए। कार्यक्रम संयोजक प्राची जैन द्वारा बस में आकर्षक हाउजी खिलाई एवं पारितोषिक भी प्रदान किए। श्री दिगंबर जैन मंदिर आवा टोंक में सभी सदस्यों ने सावन आधारित गेम्स आनंद उठाया। कार्यक्रम में अंजना गंगवाल उपाध्यक्ष, संगीता जैन कोषाध्यक्ष अन्य सदस्य गण उपस्थित थे एवं नूपुर जैन संयुक्त मंत्री द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान मीरा मार्ग मानसरोवर स्थित आदिनाथ भवन में

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सर्वानंद जी महाराज मुनि श्री जिनानंद जी महाराज व मुनि श्री पुण्यानंद जी महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है। आज प्रथम दिन सिद्ध चक्र मंडल विधान में 1016 अर्घ चढ़ाये गए। श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान में सोधर्म इंद्र का सौभाग्य इंद्र महेश अशोक व राजेंद्र जी जैन (अशोका इलेक्ट्रिकल्स) वालो ने प्राप्त किया। महायज्ञ नायक श्री राकेश जी निर्मला जी बाकलीवाल कुबेर श्री सुनील जी नीना जी पहाड़िया श्रीपाल मैना सुंदरी श्री खेमचंद जी रेखा जी जैन (गुड वाले) ने सौभाग्य प्राप्त किया। संध्या कालीन आरती का सौभाग्य श्री जम्बू जी इंदु जी सोगानी को प्राप्त हुआ। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमति सुशीला जी रांवका ने बताया कि 19 और 20 अगस्त को आयोजित होने वाले व्यापार मेला के संग 20 अगस्त को दोपहर 1:00 से 4:00 तक महिला मंडल द्वारा लहरिया उत्सव का आयोजन किया जाएगा । महिला मंडल की मंत्री श्रीमती रश्मि सांगानेरिया ने सभी से व्यापार मेला में पधारने एवं लहरिया उत्सव में शामिल होने का निवेदन किया। समिति के मंत्री राजेंद्र सेठी ने बताया कि आज से शुरू होने वाले होने वाले दो दिवसिय श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान (संस्कृत) में सैकड़ो श्रद्धालु बैठकर पूरे भक्ति भाव से धर्म लाभ ले रहे हैं। मंत्री राजेंद्र सेठी ने बताया कि 19 और 20 अगस्त को श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में 2 दिन का एक व्यापार मेला समाज के युवा उद्यमीयो के लिए आयोजित करने जा रही है जिसमें वह अपने द्वारा बनाई जा रही वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय कर सकेंगे।